चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 01 अगस्त 2026, अंक –326.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

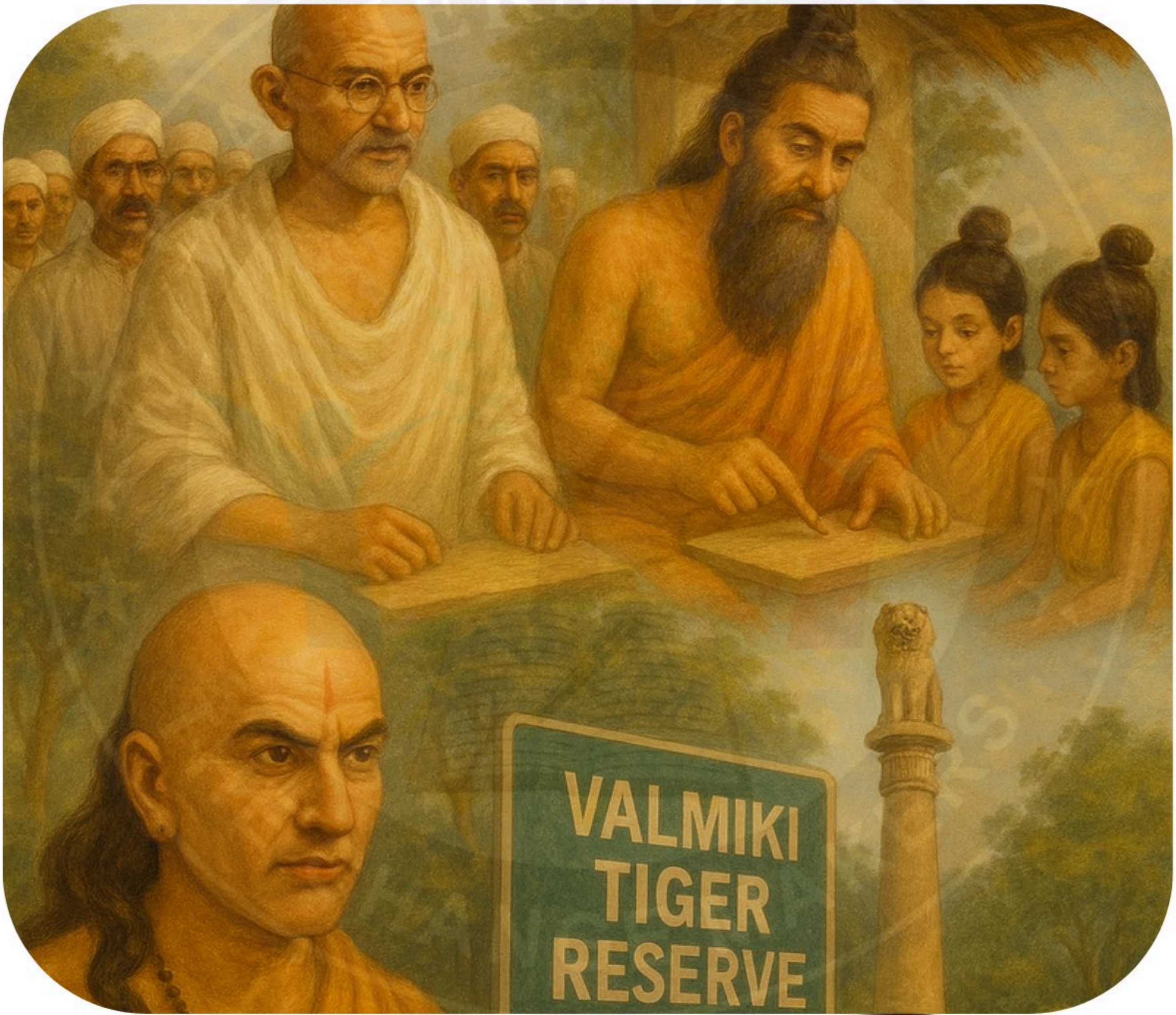

"पुस्तकालय एक ऐसा झरोखा है जहाँ आप पूरी दुनिया को देख सकते हैं।"

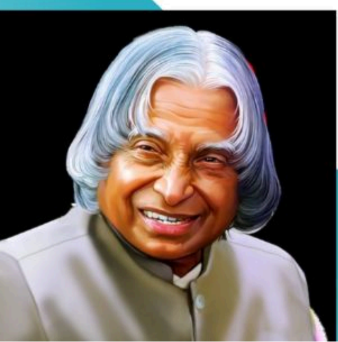

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. चिली की राजधानी क्या है?
उत्तर: सैंटियागो
प्रश्न 2. भारत का पहला जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserve) कौन-सा है?
उत्तर: नीलगिरि
प्रश्न 3. 'बुर्रा कथा' (Burrakatha) किस राज्य की प्रसिद्ध लोककला है?
उत्तर: आंध्र प्रदेश
प्रश्न 4. यदि किसी आयत (Rectangle) की लंबाई 9 सेमी और चौड़ाई 5 सेमी हो, तो उसका क्षेत्रफल कितना होगा?
उत्तर: 45 वर्ग सेमी
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. मोल्लेम राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: गोवा
प्रश्न 7. स्टेथोस्कोप का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: रेने लेनेक
प्रश्न 8. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में समानता का अधिकार (Right to Equality) का प्रारंभ होता है?
उत्तर: अनुच्छेद 14
प्रश्न 9. 'जो उपकार मानता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: कृतज्ञ
प्रश्न 10. मनुष्य के शरीर में सबसे बड़ी हड्डी कौन-सी होती है?
उत्तर: फीमर

संकलन:-
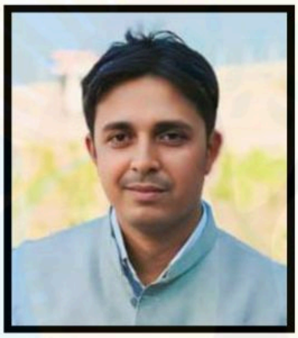
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Blood – (ब्लड) – रक्त
Skin – (स्किन) – त्वचा
Muscle – (मसल) – मांसपेशी
Nerve – (नर्व) – तंत्रिका
Vein – (वेन) – शिरा
Joint – (जॉइंट) – जोड़
Skeleton – (स्केलेटन) – कंकाल

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "मैं ... नहीं करूँगा/करूँगी" (I will not / I won't ...)
मैं कल नहीं पढ़ूँगा/पढ़ूँगी। – I will not study tomorrow.
मैं तुम्हारी मदद नहीं करूँगा/करूँगी। – I will not help you.
मैं समय पर नहीं आऊँगा/आऊँगी। – I will not come on time.
मैं अपना काम पूरा नहीं करूँगा/करूँगी। – I will not finish my work.
मैं अंग्रेज़ी नहीं सीखूँगा/सीखूँगी। – I will not learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा0 प्रा0 वि0 शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 1 अगस्त को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस (World Lung Cancer Day)
व्याख्या: विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस प्रतिवर्ष 1 अगस्त को मनाया जाता है जो फेफड़ा कैंसर शिक्षा और समर्थन के लिए समर्पित वैश्विक स्वास्थ्य पहल है। (Vajiram & Ravi) इसे 2012 में "Forum of International Respiratory Societies (FIRS)" द्वारा स्थापित किया गया था। 2026 में अंतरराष्ट्रीय श्वसन समुदाय का ध्यान फेफड़ा कैंसर जाँच तक न्यायसंगत पहुँच पर केंद्रित है। (NSS USA) 1 अगस्त 2026 को FIRS ने घोषणा की कि फेफड़ा कैंसर विश्वभर में कैंसर से संबंधित मृत्यु का प्रमुख कारण है — 2022 में इससे अनुमानित 18 लाख लोगों की मृत्यु हुई। (Testbook) "LDCT" (Low-Dose CT Screening) इसकी प्रारंभिक पहचान का सबसे प्रभावी उपाय है। भारत में तंबाकू धूम्रपान और वायु प्रदूषण फेफड़ा कैंसर के प्रमुख कारण हैं।
संदर्भ: metropolisindia.com World Lung Cancer Day 2026;

प्र.2. राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में 30 जुलाई को नीरज चोपड़ा किस स्पर्धा में क्वालीफाई हुए? (समसामयिक घटना)
उत्तर: पुरुष भाला फेंक (Javelin Throw) फाइनल
व्याख्या: 30 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो के दिवस 7 में नीरज चोपड़ा ने पुरुष भाला फेंक क्वालीफिकेशन में भाग लेकर फाइनल में प्रवेश किया। (sportskeeda) नीरज चोपड़ा टोक्यो 2020 ओलंपिक स्वर्ण और पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता हैं — यह उनका पहला CWG अभियान था। इसी दिन लवप्रीत सिंह ने पुरुष 110+ किग्रा भारोत्तोलन में रजत और सीमा कलीरमना ने महिला डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता। (sportskeeda) 30 जुलाई तक "समुद्र प्रदक्षिणा" (पहला त्रि-सेवा महिला परिक्रमा अभियान) सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने नौ महिला अधिकारियों को सम्मानित किया।
संदर्भ: tribuneindia.com Neeraj Chopra CWG Day 8, 30 July 2026;

प्र.3. "मैं नहीं मानता" (I Refuse) जैसी रचनाओं के लिए प्रसिद्ध किस हिंदी कवि को "हालावाद के प्रवर्तक" और "उमर खय्याम का हिंदी अनुवादक" के रूप में जाना जाता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: हरिवंश राय बच्चन
व्याख्या: हरिवंश राय बच्चन (1907-2003) हिंदी साहित्य में "हालावाद" (Hala/Wine Poetry) के प्रवर्तक हैं। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति "मधुशाला" (1935) है — जिसमें "मदिरा", "मधुशाला" और "साकी" के रूपकों से जीवन दर्शन प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने ओमर खय्याम की "रुबाइयात" का हिंदी अनुवाद "खय्याम की मधुशाला" नाम से किया। उनकी आत्मकथा "क्या भूलूँ क्या याद करूँ", "नीड़ का निर्माण फिर", "बसेरे से दूर" और "दशद्वार से सोपान तक" — चार भागों में है। उन्हें 1976 में "साहित्य अकादमी पुरस्कार" और 1991 में "पद्म भूषण" मिला। वे महानायक अमिताभ बच्चन के पिता थे। 1 अगस्त को उनकी जन्मतिथि के निकट यह प्रश्न विशेष प्रासंगिक है।
संदर्भ: हरिवंश राय बच्चन — "मधुशाला", 1935; Sahitya Akademi Award 1976; NCERT Hindi Class 12

प्र.4. "कार्बन डाइऑक्साइड" के अवशोषण में महासागरों की क्या भूमिका है और "महासागर अम्लीकरण" (Ocean Acidification) से जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: CO_2 सिंक (अवशोषक) की भूमिका; प्रवाल भित्तियाँ और समुद्री जीव नष्ट होते हैं
व्याख्या: महासागर पृथ्वी के सबसे बड़े "कार्बन सिंक" (Carbon Sink) हैं — वे वायुमंडल से उत्सर्जित CO_2 का लगभग 25-30% अवशोषित करते हैं। इससे जलवायु परिवर्तन की गति नियंत्रित होती है। किंतु अत्यधिक CO_2 अवशोषण से समुद्री जल में कार्बोनिक अम्ल (H_2CO_3) बनता है जो जल को अम्लीय बना देता है — इसे "महासागर अम्लीकरण" कहते हैं। इससे: (1) प्रवाल भित्तियाँ (Coral Reefs) का कैल्शियम कार्बोनेट कंकाल घुलने लगता है; (2) शंख-सीप जैसे जीव अपने खोल नहीं बना पाते; (3) समुद्री खाद्य श्रृंखला टूटती है। "ग्रेट बैरियर रीफ" (ऑस्ट्रेलिया) इससे सर्वाधिक प्रभावित है। भारत के लक्षद्वीप और अंडमान के प्रवाल भी खतरे में हैं।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 16 Environmental Issues, p. 272–273;

प्र.5. "राजनिया संधि" (Treaty of Rajini) के नाम से जाने जाने वाली ब्रिटिश "सहायक संधि" (Subsidiary Alliance) किसने प्रस्तुत की और यह भारतीय राज्यों को किस प्रकार कमजोर करती थी? (इतिहास)
उत्तर: लॉर्ड वेलेज़ली; ब्रिटिश सेना की आड़ में स्वायत्तता और धन समाप्त होती थी
व्याख्या: "सहायक संधि" (Subsidiary Alliance) की व्यवस्था 1798 में गवर्नर-जनरल लॉर्ड वेलेज़ली ने लागू की। इसके अंतर्गत: (1) भारतीय राज्य अपने क्षेत्र में ब्रिटिश सेना रखने की अनुमति देते थे; (2) सेना का व्यय भारतीय राज्य देते थे; (3) राज्य स्वतंत्र विदेश नीति नहीं बना सकते थे; (4) ब्रिटिश रेजिडेंट राज्य में नियुक्त होता था। इससे: राज्यों का राजकोष खाली होता था → वे ऋण लेते थे → धन न देने पर क्षेत्र ब्रिटिशों को देना पड़ता था। हैदराबाद (1798), मैसूर (1799), अवध (1801), और मराठा राज्य इसमें फँसे। यह ब्रिटिश साम्राज्यवाद का सबसे चतुर हथियार था।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 2 From Trade to Territory, p. 25–27.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र" (NCR) में कौन-कौन से राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं? (भूगोल)

उत्तर: दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान

व्याख्या: "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र" (National Capital Region — NCR) "NCR Planning Board" द्वारा प्रबंधित एक बड़ा महानगरीय क्षेत्र है जिसमें: (1) दिल्ली (केंद्र शासित प्रदेश — पूरी); (2) हरियाणा के जिले — गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पानीपत, रोहतक आदि; (3) उत्तर प्रदेश के जिले — नोएडा (गौतमबुद्ध नगर), गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर आदि; (4) राजस्थान के जिले — भरतपुर और अलवर। NCR का कुल क्षेत्रफल लगभग 55,083 वर्ग किमी है। यह भारत का सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र है जिसकी जनसंख्या 4 करोड़ से अधिक है। NCR योजना बोर्ड अधिनियम 1985 के अंतर्गत इसकी स्थापना हुई।

संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 6 Manufacturing Industries, p. 73;

प्र.7. भारत की "संचित निधि" (Consolidated Fund of India, अनु.266) और "आकस्मिकता निधि" (Contingency Fund, अनु.267) में क्या अंतर है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: संचित निधि — सभी सरकारी राजस्व; आकस्मिकता निधि — आपातकालीन व्यय हेतु

व्याख्या: संचित निधि (Consolidated Fund of India — CFI): अनुच्छेद 266 के अंतर्गत — भारत सरकार की सभी कर और गैर-कर प्राप्तियाँ इसमें जमा होती हैं। इसमें से कोई भी धन संसद के अनुमोदन के बिना नहीं निकाला जा सकता — यह भारत का सबसे बड़ा सरकारी कोष है। आकस्मिकता निधि (Contingency Fund of India): अनुच्छेद 267 के अंतर्गत — यह राष्ट्रपति के नियंत्रण में एक अग्रिम कोष है जिसका उपयोग आपातकालीन और अप्रत्याशित व्यय के लिए संसद की अनुमति से पहले किया जा सकता है। बाद में संसद की स्वीकृति से CFI से भरपाई की जाती है। इसका आकार ₹500 करोड़ है। "लोक लेखा" (Public Account) — अनु. 266(2) — तीसरा कोष है।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 5 Legislature, p. 93;

प्र.8. "फेफड़ा" (Lungs) में "वायुकोश" (Alveoli) की क्या भूमिका है और मानव शरीर में इनकी संख्या लगभग कितनी होती है? (विज्ञान)

उत्तर: गैस विनिमय (O_2-CO_2); लगभग 60-70 करोड़

व्याख्या: "वायुकोश" (Alveoli) फेफड़े की सबसे छोटी थैलीनुमा संरचनाएँ हैं जहाँ वास्तविक गैस विनिमय (Gas Exchange) होता है। श्वास लेने पर O_2 वायुकोश में आती है और वहाँ की केशिकाओं के रक्त में घुल जाती है; CO_2 रक्त से वायुकोश में आकर श्वास के साथ बाहर जाती है। मनुष्य के दोनों फेफड़ों में मिलाकर लगभग 60-70 करोड़ वायुकोश होते हैं जो कुल 70-80 वर्ग मीटर की सतह बनाते हैं — यह एक टेनिस कोर्ट के बराबर है! "धूम्रपान" और "वायु प्रदूषण" से वायुकोश क्षतिग्रस्त होते हैं जिससे "एम्फीसेमा" और फेफड़ा कैंसर होता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 Life Processes, p. 110–112;

प्र.9. "पट्टाभिराम कला क्षेत्र" (Kalakshetra Foundation) जो भरतनाट्यम और अन्य शास्त्रीय कलाओं का प्रसिद्ध केंद्र है — किसने स्थापित किया और यह कहाँ स्थित है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: रुक्मिणी देवी अरुंडेल; चेन्नई (तमिलनाडु)

व्याख्या: "कलाक्षेत्र फाउंडेशन" (Kalakshetra Foundation) की स्थापना 1936 में रुक्मिणी देवी अरुंडेल (1904-1986) ने चेन्नई के तिरुवनमियूर में की थी। रुक्मिणी देवी ने भरतनाट्यम को देवदासी परंपरा से मुक्त कर एक सम्मानजनक शास्त्रीय कला के रूप में पुन: स्थापित किया। उन्होंने थियोसोफिकल सोसायटी (अडयार, चेन्नई) के परिसर में इस संस्था की नींव रखी। कलाक्षेत्र में भरतनाट्यम, संगीत, बुनाई और पारंपरिक हस्तशिल्प का प्रशिक्षण दिया जाता है। 1993 में इसे "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" (Institution of National Importance) घोषित किया गया। रुक्मिणी देवी को 1956 में राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था।

संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 73–74;

प्र.10. बिहार में "लोकनायक जयप्रकाश नारायण" (JP) का जन्म स्थान कौन सा है और वे किस ऐतिहासिक आंदोलन से जुड़े थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: सिताब दियारा (सारण जिला); संपूर्ण क्रांति आंदोलन (1974)

व्याख्या: "लोकनायक जयप्रकाश नारायण" (JP, 1902-1979) का जन्म 11 अक्टूबर 1902 को बिहार के सारण जिले के सिताब दियारा (Sitab Diara) गाँव में हुआ था। JP ने 1942 के "भारत छोड़ो आंदोलन" में सक्रिय भूमिका निभाई और अंग्रेजों से बचते हुए भूमिगत क्रांतिकारी गतिविधियाँ चलाईं। 1974 में उन्होंने बिहार से "संपूर्ण क्रांति आंदोलन" का नेतृत्व किया जो इंदिरा गाँधी की सरकार के विरुद्ध था। इस आंदोलन की परिणति 1975 के आपातकाल और 1977 में जनता पार्टी की विजय के रूप में हुई। उन्हें 1999 में मरणोपरांत "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया। पटना में "जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा" उनके नाम पर है।

संदर्भ: Bihar GK BPSC Reference Compendium; Bharat Ratna Award Records

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अगस्त W1 (भूकंप सुरक्षा) के अनुसार – भूकंप से विद्यालय भवन की सुरक्षा जाँच हेतु किन पाँच संरचनात्मक चिह्नों पर ध्यान देना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: दीवारों में दरारें, झुकते स्तंभ, ढीली छत, नींव में क्षति, खिड़की-दरवाजे न बंद होना

व्याख्या: BSDMA के भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल (अगस्त W1) के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय में "भूकंप-पूर्व संरचनात्मक मूल्यांकन" (Pre-Earthquake Structural Assessment) अनिवार्य है। शिक्षकों और SDM टीम को निम्न पाँच संरचनात्मक चिह्न जाँचने चाहिए: (1) दीवारों में दरारें – विशेषत: कोनों पर या खिड़कियों के पास; (2) झुकते या कमजोर RCC स्तंभ (Columns) – जो भूकंप में पहले टूटते हैं; (3) छत में शिथिलता – पुरानी इमारतों में छत का झुकाव; (4) नींव के पास दरारें – जमीन की सतह पर; (5) दरवाजे-खिड़कियाँ ठीक से बंद न होना – इमारत की विकृति का संकेत। BIS (Bureau of Indian Standards) के अनुसार उत्तर बिहार के जिले भूकंपीय Zone III-IV में हैं – इसलिए यह जाँच अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module August W1 – Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org;

प्र.12. एक पाइप किसी टंकी को 6 घंटे में भरता है और दूसरा पाइप उसे 12 घंटे में खाली करता है। यदि दोनों एक साथ खुले हों तो टंकी कितने घंटे में भरेगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 12 घंटे

व्याख्या: भरने वाले पाइप की क्षमता = 1/6 प्रति घंटा। खाली करने वाले पाइप की क्षमता = −1/12 प्रति घंटा (ऋणात्मक)। दोनों एक साथ: 1/6 − 1/12 = 2/12 − 1/12 = 1/12 प्रति घंटा। अत: टंकी भरने में = 1 ÷ (1/12) = 12 घंटे। सत्यापन: 12 घंटे में भरने वाला पाइप = 12 × 1/6 = 2 टंकी भरेगा; खाली करने वाला = 12 × 1/12 = 1 टंकी खाली करेगा। शुद्ध = 2 − 1 = 1 टंकी ✓। यह "पाइप और टंकी" (Pipes and Cisterns) का क्लासिक प्रश्न है – BPSC, SSC, Railway, Bank PO सभी परीक्षाओं में अत्यंत प्रचलित।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 Direct and Inverse Proportions, p. 196–202;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

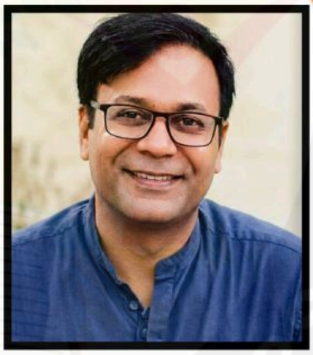

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Benevolence (बेनेवोलेंस) = Kindness (काइंडनेस) = दयालुता / परोपकार
  Antonym – Malevolence (मेलेवोलेंस) = दुर्भावना / दुष्टता

Corroborate (करॉबरेट) = Confirm (कन्फर्म) = पुष्टि करना / साक्ष्य द्वारा सिद्ध करना
  Antonym – Contradict (कॉन्ट्राडिक्ट) = खंडन करना / विरोध करना

Deft (डेफ्ट) = Skillful (स्किलफुल) = निपुण / कुशल
  Antonym – Clumsy (क्लम्ज़ी) = अनाड़ी

Enigma (इनिग्मा) = Mystery (मिस्ट्री) = रहस्य / पहेली
  Antonym – Certainty (सर्टेन्टी) = निश्चितता / स्पष्टता

Feign (फेन) = Pretend (प्रिटेन्ड) = दिखावा करना / बहाना करना
  Antonym – Reveal (रिवील) = प्रकट करना / वास्तविकता बताना

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Deep-Tech Startup Policy 2026' to Drive Innovation in Quantum Computing and AI Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने क्वांटम कंप्यूटिंग और एआई (AI) बुनियादी ढांचे में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'राष्ट्रीय डीप-टेक स्टार्टअप नीति 2026' जारी की।
केंद्रीय नीति आयोग ने देश में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों (Deep-Tech) को गति देने के लिए एक व्यापक नीतिगत रूपरेखा का अनावरण किया है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य क्वांटम कंप्यूटिंग, बायो-मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस सेमीकंडक्टर अनुसंधान में लगे भारतीय स्टार्टअप्स को आईपीआर (IPR) सहायता, आसान पूंजी उपलब्धता और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की पहुंच प्रदान करना है।

English Headline: Ministry of Jal Shakti Launches 'National Groundwater Aquifer Mapping Grid 2.0' for Real-Time Water Resource Management.
हिन्दी अनुवाद: जल शक्ति मंत्रालय ने वास्तविक समय के जल संसाधन प्रबंधन के लिए 'राष्ट्रीय भूजल एक्विफर मैपिंग ग्रिड 2.0' का शुभारंभ किया।
देश भर में भूजल संकट से निपटने और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय ने एक अत्याधुनिक डिजिटल मैपिंग प्लेटफॉर्म अधिसूचित किया है। यह नेटवर्क उपग्रह डेटा और भूमिगत सेंसर प्रणालियों का उपयोग करके राज्यों को भूजल पुनर्भरण (Recharge) की सटीक जानकारी प्रदान करेगा, जिससे कृषि और शहरी जल आपूर्ति की प्रभावी योजना बनाई जा सकेगी।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Test of Indigenously Developed Carbon-Composite Main Structure for Future Reusable Launchers.
हिन्दी अनुवाद: इसरो (ISRO) ने भविष्य के पुनरुप्रयोज्य (Reusable) प्रक्षेपकों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित कार्बन-कंपोजिट मुख्य संरचना का उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) में उन्नत कार्बन-कंपोजिट सामग्री से निर्मित रॉकेट संरचना का हॉट टेस्ट आयोजित किया। यह हल्का और अत्यधिक मजबूत ढांचा अंतरिक्ष वाहनों का वजन घटाने और पेलोड क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations General Assembly Passes Consensus Resolution on 'Global Digital Compact for Ethical AI and Data Sovereignty'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'नैतिक एआई और डेटा संप्रभुता के लिए वैश्विक डिजिटल कॉम्पैक्ट' पर सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के विशेष सत्र में सदस्य राष्ट्रों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के सुरक्षित, पारदर्शी और समावेशी उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौते को स्वीकार किया। इस प्रस्ताव का प्राथमिक उद्देश्य विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन को कम करना और नागरिकों की डिजिटल गोपनीयता सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Launch Joint $2.5 Billion Fund for South Asian Clean Energy Corridors.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई स्वच्छ ऊर्जा गलियारों के लिए संयुक्त $2.5 बिलियन के कोष की शुरुआत की।
दक्षिण एशिया में हरित ऊर्जा संक्रमण को गति देने के लिए एक बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज की घोषणा की गई है। इस कोष का उपयोग मुख्य रूप से भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच अंतर-देशीय सौर और जलविद्युत ग्रिड ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Unveils 'Global Vector-Borne Disease Early Warning Grid' to Mitigate Climate Risks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 'वैश्विक कीट-जनित रोग पूर्व चेतावनी ग्रिड' का अनावरण किया।
वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने जिनेवा में एक उन्नत डिजिटल निगरानी नेटवर्क शुरू किया है। यह नेटवर्क रीयल-टाइम स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण करके महामारी की शुरुआत से पहले सदस्य देशों को अलर्ट जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Export Promotion Policy 2026' to Boost Rural Agro-Startups.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण और निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके अंतर्गत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के मूल्य संवर्धन (Value Addition) तथा निर्यात इकाइयों की स्थापना के लिए सब्सिडी और रियायती दरों पर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetlands in Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक बेसिन की आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी बिहार (विशेष रूप से पश्चिम चंपारण और आसपास के क्षेत्रों) के पारंपरिक जल निकायों और पारिस्थितिकीय आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-लिंक्ड जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य अतिक्रमण रोकना और क्षेत्र में भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Wins Historic Gold Medal in Compound Mixed Team Event at the World Archery Stage 4.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी चरण 4 में कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। इस जीत ने आगामी विश्व प्रतियोगिताओं के लिए भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

English Headline: International Olympic Committee (IOC) Formally Integrates AI-Powered Smart-Analytics for Precision Judging in Track Events.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने ट्रैक स्पर्धाओं में सटीक निर्णय के लिए एआई-संचालित स्मार्ट-एनालिटिक्स को औपचारिक रूप से एकीकृत किया।
वैश्विक एथलेटिक्स स्पर्धाओं में निर्णयों को पूरी तरह से पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए आईओसी ने नई तकनीकी नियमावली लागू की है। आगामी प्रतियोगिताओं में फिनिश लाइन और तकनीक के बारीक विश्लेषण के लिए उच्च-सटीक कैमरों और एआई सेंसर का उपयोग किया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक बाल एकांकी
"समझदारी ही सबसे बड़ी सुरक्षा"
(प्रथम शनिवार – बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव पर आधारित)

पात्र: प्रधानाध्यापक, गीता मैडम, राजू, सुनैना, रोहन

दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। लगातार वर्षा हो रही है। बच्चे छुट्टी के बाद घर जाने की तैयारी कर रहे हैं।

राजू: अरे! सामने वाले खेत में खूब पानी भर गया है। चलो, वहीं नहाते हुए घर चलते हैं।

रोहन: और देखो, वहाँ एक छोटी नाव भी है। मज़ा आएगा!

(दोनों आगे बढ़ते हैं। तभी गीता मैडम उन्हें रोकती हैं।)

गीता मैडम: रुको बच्चों! बाढ़ का पानी कभी खेल नहीं होता। ऊपर से शांत दिखने वाला पानी भी बहुत गहरा और तेज़ बहाव वाला हो सकता है।

(तभी प्रधानाध्यापक वहाँ आते हैं।)

प्रधानाध्यापक: बच्चों, बाढ़ के समय एक छोटी-सी लापरवाही जानलेवा बन सकती है। कभी भी पानी से भरी सड़क, नाला या खेत पार करने की कोशिश मत करना।

सुनैना: सर, अगर रास्ता पानी में डूब जाए तो क्या करें?

प्रधानाध्यापक: तुरंत किसी सुरक्षित और ऊँचे स्थान पर चले जाएँ। घरवालों या प्रशासन की सलाह मानें। बिना लाइफ जैकेट नाव में न बैठें और कभी भी अकेले पानी में न उतरें।

राजू: सर, अगर कोई दोस्त पानी में गिर जाए तो?

प्रधानाध्यापक: उसे बचाने के लिए स्वयं पानी में मत कूदो। तुरंत किसी बड़े व्यक्ति को बुलाओ, 112 या स्थानीय बचाव दल को सूचना दो। यदि संभव हो तो रस्सी, बाँस या कोई तैरने वाली वस्तु उसकी ओर बढ़ाओ।

रोहन: अब समझ गया सर। साहस का मतलब जोखिम उठाना नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना है।

प्रधानाध्यापक: बिल्कुल! याद रखो—सुरक्षा ही सबसे बड़ी समझदारी है।

सभी बच्चे (एक साथ): हम बाढ़ के समय सावधानी बरतेंगे, सुरक्षित रहेंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे।

सभी मिलकर नारा लगाते हैं—

"सावधानी अपनाएँ, बाढ़ से जान बचाएँ!"

"सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित भविष्य!"

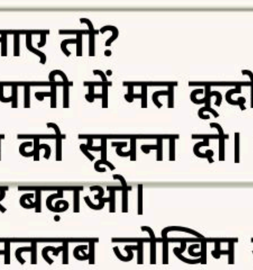

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चो के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियो के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयो के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : शेखपुरा, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

शेखपुरा: मगध का सीमांत, गिरहिंडा पहाड़ी और लघु भू-आकृतिक ढांचा

भौगोलिक, प्रशासनिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से शेखपुरा दक्षिण बिहार के हृदयस्थल में स्थित एक अत्यंत सघन और रणनीतिक ज़िला है। वर्ष 1994 में मुंगेर ज़िले से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मुंगेर प्रमंडल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में नालंदा और पटना (टाल क्षेत्र), पूर्व में लखीसराय, दक्षिण में जमुई व नवादा तथा पश्चिम में नवादा और नालंदा ज़िलों को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय भौगोलिक अवस्थिति शेखपुरा को मगध और अंग क्षेत्रों की संस्कृतियों के बीच एक अनूठा मिलन बिंदु बनाती है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता हरोहर (Harohar) और तटी (Tati) जैसी बरसाती नदियों का प्रवाह तंत्र है, जो छोटानागपुर पठार की उत्तरी ढलानों से निकलकर मैदानी भाग को सींचती हैं। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से शेखपुरा का भूगोल दो मुख्य भागों में विभक्त है—उत्तरी एवं पश्चिमी भाग, जो अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मैदान (टाल का दक्षिणी विस्तार) है, तथा मध्य व दक्षिणी भाग, जहाँ गिरहिंडा (Girhinda) और शेखपुरा पहाड़ियाँ स्थित हैं। ये पहाड़ियाँ क्वाटर्ज़ाइट और कड़े नीस चट्टानों से बनी हैं, जो स्थानीय भू-दृश्य को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

यहाँ की 'गिरहिंडा पहाड़ी' न केवल भू-वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि स्थानीय जल-पुनर्भरण (Groundwater Recharge) और सूक्ष्म-जलवायु का भी मुख्य आधार है। ज़िले की मिट्टी मुख्य रूप से 'बलसुंदरी' और 'दोमट' का मिश्रण है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों के निकट 'केवाल' और 'लाल मिट्टी' पाई जाती है। ज़िले के उत्तरी प्रखंडों (जैसे अरियरी और चेवाड़ा के कुछ भाग) में टाल जैसी भौगोलिक विशेषताएं पाई जाती हैं, जहाँ मानसून के दौरान जल-जमाव रहता है और जल उतरते ही दलहन व तिलहन की सघन खेती की जाती है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय शुष्क मानसूनी है। गर्मियों में पहाड़ियों के प्रभाव से तापमान काफी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में मौसम सुहावना रहता है। इस विशिष्ट भूगोल के कारण शेखपुरा की कृषि आर्थिकी मुख्य रूप से रबी फसलों—विशेष रूप से चना, मसूर, सरसों और गेहूं—पर आधारित है। इसके साथ ही, गिरहिंडा और आसपास की पहाड़ियों से मिलने वाले गिट्टी व पत्थर खनन (Stone Crushing Industry) ने स्थानीय स्तर पर निर्माण सामग्री का एक बड़ा क्लस्टर निर्मित किया है। परंतु, छोटा आकार होने के बावजूद मानसूनी वर्षा की अनिश्चितता और सीमित सिंचाई तंत्र यहाँ के किसानों के लिए एक प्रमुख भौगोलिक चुनौती बना रहता है।

गिरहिंडा पहाड़ियों के विशाल शिलाखंडों, हरोहर नदी की धारा और टाल-मैदानी भूगोल का यह प्रामाणिक विश्लेषण दक्षिण बिहार के लघु ज़िलों की भौगोलिक बनावट और संसाधन प्रबंधन को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

..........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
शैलेन्द्र कुमार एवं अभिषेक कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

दैनिक जागरण

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

वाद सूत्र, जागरण • बगहा : विभाग द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के द विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न र्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की पस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची र्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की दौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों माहौल बदलने में सफल हो रहे। सी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर हतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को म्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे ससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के ए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के त्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित वा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो क्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और भिषेक कुमार को रमना स्थित डिटोरियम हाल में आयोजित भव्य म्मान समारोह में ज़िला पदाधिकारी रनजोत सिंह ने सम्मानित किया। ह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट र्मियों के उत्साहवर्धन के लिए योजित किया गया था। लाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों शस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। ले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष गदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी लहर दौड़ गई है। स्थानीय शिक्ष ग्रामीणों और शिक्षा विभाग अधिकारियों ने दोनों सम्मा शिक्षकों को बधाई दी।

हिन्दुस्तान

बेहतर काम के लिए डीएम ने दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदूर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 27-07-202

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बगहा

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों

शैलेन्द्र कुमार

अभिषेक कुमार

की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए यह सम्मान मिला। डीएम एवं विभाग ने इनके कार्यों को अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभाग में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों का सम्मानित होना बगहा-2 के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। इससे यह संदेश भी गया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान और सराहना हो रही है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री....शैलेन्द्र कुमार....

पदनाम....प्रधानाध्यापक....विभाग/शाखा....रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री....अभिषेक कुमार....

पदनाम....प्रधानाध्यापक....विभाग/शाखा....रा० प्रा० वि० करमाहा थारूटोला बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

CHAMPARAN GYANGANGA

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org